पाठ 1

जादूगर यह कौन ?

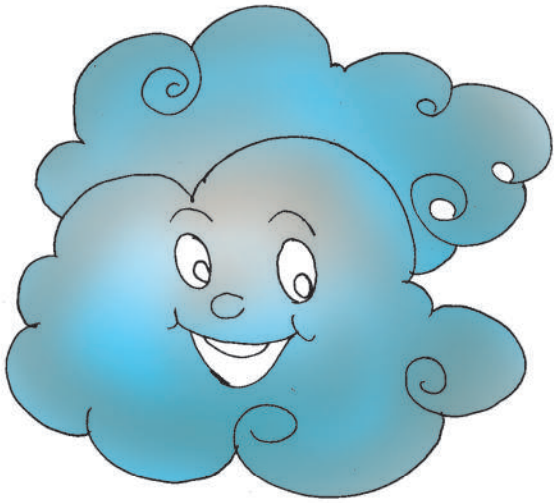

काली खुली जटाओं वाला
जादूगर यह कौन ?
कहाँ–कहाँ से नभ में आता
तरह–तरह के खेल दिखाता
पवन–पंख पर उड़ने वाला
जादूगर यह कौन ?
ऐसे छू–मंतर पढ़ देता
सूरज को ओझल कर देता
दिन को रात बनाने वाला
जादूगर यह कौन ?
धरती तक ऐसे झुक जाता
जैसे हाथी सूँड नवाता
सबका चित्त लुभाने वाला
जादूगर यह कौन ?
जब–जब इसके दिल में आता
झोले से बूँदें टपकाता
धरती को सरसाने वाला
जादूगर यह कौन ?

–राजनारायण चौधरी

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें –

- ओझल – छिपा हुआ
- चित्त – मन
- जादूगर – जादू का खेल दिखाने वाला
- नभ – आकाश
- नवाता – झुकाता
- पवन–पंख – हवा रूपी पंख
- सरसाने वाला – मन को खुश करने वाला

2. कविता से –

(क) कविता में जादूगर किसे कहा गया है ?

_____

(ख) जादूगर कैसा दिखाई देता है ?

_____

(ग) जादूगर कौन–कौन से करतब दिखाता है ?

_____

(घ) सोचो, बादल को जादूगर क्यों कहा है ?

_____

3. आपकी बात –

(क) **"धरती तक ऐसे झुक जाता**
जैसे हाथी सूँड नवाता"

जब बादल झुकता है तो कवि को ऐसा लगता है जैसे कोई हाथी

अपनी सूँड को झुकाता है। आपको भी बादलों में तरह–तरह की आकृतियाँ दिखाई देती होंगी। उनके नाम लिखें–

_____

_____

(ख) आपको कैसा लगता है ?

- जब गरमी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

_____

- जब सरदी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

_____

4. कविता से आगे–

(क) नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –

- बादल दिन को रात कैसे बनाता है?

_____

_____

- बादल धरती को कैसे खुश करता है ?

_____

_____

(ख) 'झोले से बूँदें टपकाता'

बादल अपने झोले से बूँदें टपकाता है। इसी तरह ये अपने झोले से क्या निकालेंगे ? सोचकर लिखें

- पिताजी _____
- माँ _____
- अध्यापिका _____
- जादूगर _____
- डाकिया _____

5. भाषा की बात–

(क) इस कविता में बादल के कुछ काम दिए गए हैं, जैसे – खेल दिखाना, उड़ना।

ऐसे ही कुछ और काम कविता में से छाँटकर लिखें और उनसे वाक्य बनाएँ –

खेल दिखाना – जादूगर तरह–तरह के खेल दिखाता है।

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

(ख) जादूगर शब्द 'जादू' और 'गर' शब्द से मिलकर बना है। ऐसे कुछ और शब्द बनाइए –

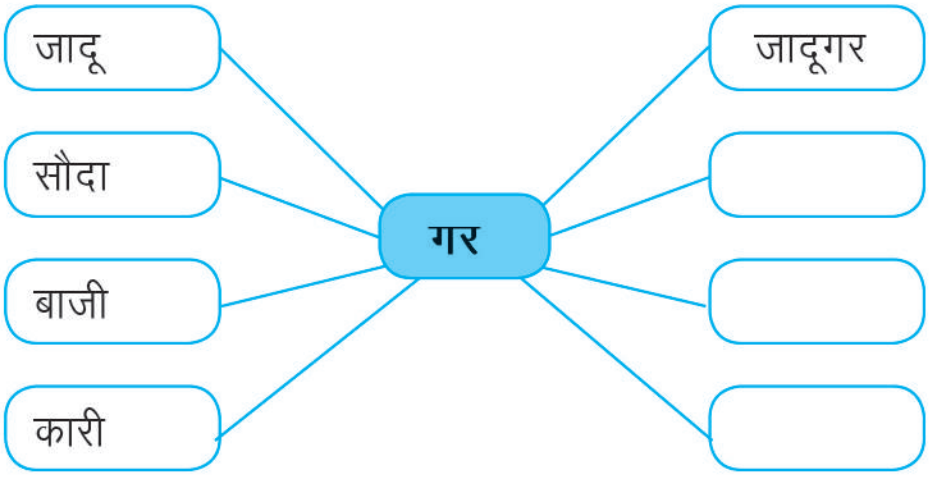

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में अन्य किन शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

हवा ——————————

आकाश ——————————

सूर्य ——————————

पृथ्वी ——————————

6. रंग भरें –

वर्षा के बादल

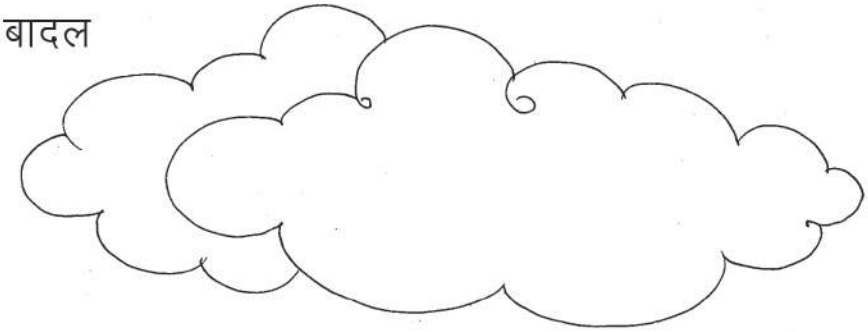

सुबह के बादल

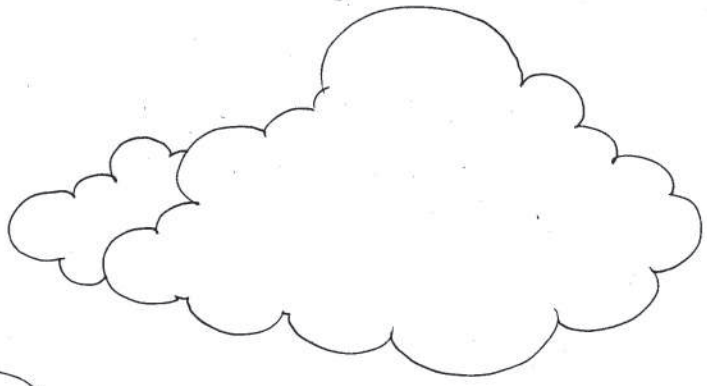

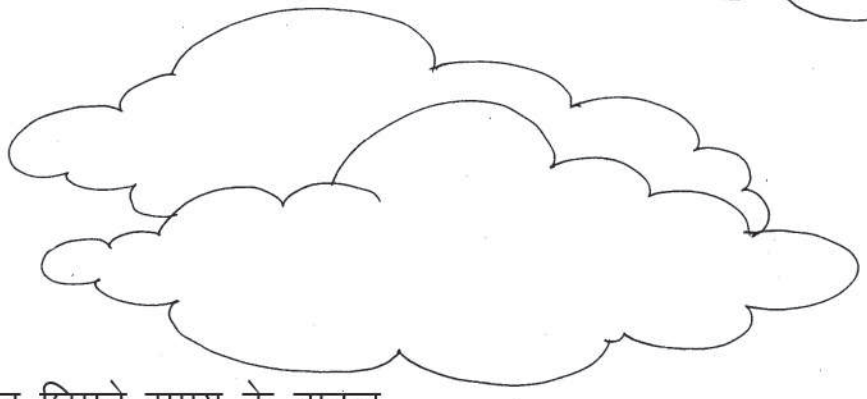

सूरज छिपते समय के बादल

पाठ 2

टपका

एक था धोबी, जिसका नाम धनिया था। वह लोगों के कपड़े धोया करता था। वह बस्ती के बाहर एक झोंपड़ी में रहता था। धोबी की झोंपड़ी बहुत पुरानी थी। सावन–भादों की जोरदार बारिश हो रही थी। उसे हर समय टपके का डर बना रहता था। लोगों के कपड़ों पर टपका पड़ जाए, तो आई भारी आफत। टपके का दाग धुलता भी तो नहीं। धनिया अपनी पत्नी से कह रहा था, "बड़े जोर की बरखा हो रही है। इतना डर मुझे शेर का भी नहीं है, जितना कि टपके का है।"

यह बात सुनी शेर ने, जो धनिया की झोंपड़ी के पिछवाड़े खड़ा था। शेर ने सोचा, टपका तो मुझसे ताकतवर है। धनिया को भी मेरा इतना डर नहीं, जितना टपके का है।

उधर, एक कुम्हार का गधा खो गया था। घटाटोप अँधेरा इतना, कि हाथ को हाथ भी न सूझे। कुम्हार अपने गधे को खोजता आ गया धनिया के पिछवाड़े। अँधेरे में उसका हाथ शेर पर पड़ा। उसने सोचा कि उसका गधा ही खड़ा है। उस पर चढ़ बैठा और उसके कान पकड़ लिए। कड़ककर बोला, ''गधे के बच्चे! यहाँ छिपा खड़ा है। तेरी ऐसी गति बनाऊँ कि याद करे सारी उम्र।'' शेर ने सोचा–आ गया टपका, अब खैर नहीं। वह सरपट दौड़ा।

कुम्हार ने मन ही मन सोचा–यह गधा मेरे गधे जैसा तो नहीं है। वह तो मरियल सा था, लेकिन यह तो मोटा–ताज़ा है। बिजली की तरह दौड़ता है। खूब हाथ लगा!

शेर जंगल की तरफ दौड़ा जा रहा था। सहसा बिजली चमकी। कुम्हार ने गौर से देखा। यह देखकर उसके तो होश उड़ गए कि वह गधे पर नहीं, शेर पर बैठा है। उधर शेर था कि तेज़ी से भागा चला जा रहा था। अजीब बात थी कि शेर कुम्हार से डर रहा था और कुम्हार शेर से। कुम्हार सोच रहा था, कैसे जान बचे ? रास्ते में एक बरगद का पेड़ था। उसकी दाढ़ी धरती पर लटक रही थी। शेर जब बरगद के पेड़ के नीचे से गुजरा तो कुम्हार ने उचक कर बरगद की दाढ़ी पकड़ ली। शेर को अपनी पीठ हलकी लगी, तो उसकी जान में जान आई। वह और जोर से भागा। वह डर रहा था कि कहीं टपका फिर न आ दबोचे।

उधर कुम्हार सोचने लगा कि वह छिप जाए बरगद की खोह में। उसने बरगद की एक खोह खोजी और छिपकर बैठ गया। वह सोच रहा था कि रात यहीं काट लूँ। बरगद पर शेर चढ़ नहीं सकता। तड़के उठकर घर चला जाऊँगा।

उधर शेर था कि भागा ही जा रहा था। टपके का भय बैठा हुआ था दिल में। आगे मिला बंदर। शेर की इतनी बुरी दशा देखकर बंदर ने कहा, 'मामा! मामा! क्या बात है ? कहाँ भागे जा रहे हो ?'

''भाग ले भानजे! जंगल में टपका उतर आया है।'' शेर ने हाँफते हुए कहा।

''मामा! क्या बात करते हो ? टपके से डर गए। मैं तो इसे बड़े चाव से खाया करता हूँ।'' बंदर ने हँसकर कहा।

''अरे भानजे, यह वह टपका नहीं है। बहुत भयंकर बला है। मेरे कान ऐसे ज़ोर से पकड़े कि मुझे नानी याद आ गई।'' शेर ने गहरी साँस लेकर कहा।

''मामा! दिखाओ तो सही, कहाँ है वह टपका ?'' बंदर ने पूछा।

आखिर रहे बंदर के बंदर ही! शरारत किए बगैर नहीं रहोगे ? चलो। शेर ने कहा।

दोनों बरगद की ओर चले। कुम्हार ने भोर के प्रकाश में देखा कि शेर, बंदर के साथ चला आ रहा है। उसने सोचा कि बंदर उसे ऊपर से नीचे धकेलेगा और शेर खा जाएगा। वह डरकर बरगद की खोह में छिपकर बैठ गया और उसने अपने सिर पर पत्ते रख लिए।

शेर बरगद के नीचे खड़ा था। प्रकाश फैल रहा था। इस कारण शेर उतना डर नहीं रहा था। सोचता था कि टपका आ ही गया, तो भाग खड़ा होऊँगा। बंदर चढ़ गया बरगद के पेड़ पर। वह बरगद के बरमटों को तोड़–तोड़ कर नीचे फेंकता और पूछता–मामा! क्या यह है टपका ?

भानजे, जब टपके के काबू में आएगा, तो तुझे क्या, तेरे पूरे कुनबे को पता चल जाएगा। शेर ने कहा।

अब बंदर की उलटी बुद्धि! उछलता–कूदता जा बैठा वहाँ, जहाँ कुम्हार छिपा बैठा था, खोह में। कुम्हार ने सोचा कि आ गया, सिर पर दुष्ट। अब क्या करें ? बंदर की पूँछ खोह के भीतर कुम्हार के मुँह के सामने लटक रही थी। कुम्हार ने सोचा कि बहुत बढ़िया अवसर हाथ लगा है। अवसर चूक गए, तो फिर क्या बात बनी! उसने बंदर की पूँछ को जकड़ लिया अपने दोनों हाथों से।

अब बंदर जब वहाँ से उछलकर दूसरी टहनी पर जाने का प्रयत्न करने लगा, तो उससे वहाँ से हिला भी न गया। पूँछ भारी लगी। उधर शेर ने कहा, ''क्यों भानजे! क्या हाल है?''

अब बंदर भी डर गया। उसने पूँछ छुड़ाने के लिए ज़ोर लगाया। कुछ जोर लगा बंदर का और कुछ ज़ोर लगा कुम्हार का। पूँछ उखड़वा बैठा बंदर और 'धम्म' से आ पड़ा नीचे। शेर पहले ही भाग खड़ा हुआ था। बंदर भी उठकर भागा। दोनों भागते–भागते दूर निकल गए।

शेर बोला, ''क्यों भानजे! आ गया न काबू में टपके के ?''

''मामा, कौन कहता है कि वह टपका था, वह तो पूँछ उखाड़ था।'' बंदर ने हाँफते–हाँफते कहा।

लोककथा

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें –

- आफत – मुसीबत
- उचककर – थोड़ा ऊपर उठकर
- गति – हालत
- घटाटोप – बादल घिरने के कारण हुआ अंधेरा
- पिछवाड़ा – घर के पीछे का भाग
- बरमट – बरगद के फल
- बरखा – वर्षा
- भोर – सवेरा
- मरियल – बहुत कमजोर
- सरपट – तेज दौड़ना

2. कहानी से –

(क) धनिया को टपके का डर क्यों था ?

_____

_____

(ख) **"मामा! क्या बात करते हो ? टपके से डर गए। मैं तो इसे बड़े चाव से खाया करता हूँ।"**

बंदर ने हँसकर कहा। बंदर ने किस टपके के खाने की बात शेर से कही थी ?

_____

_____

_____

(ग) **आखिर रहे बंदर के बंदर ही! शरारत किए बगैर नहीं रहोगे।**
शेर की इस बात से बंदरों की कौन–सी विशेषता पता चलती है ?

_____

_____

(घ) **अजीब बात थी कि शेर कुम्हार से डर रहा था और कुम्हार शेर से।**
शेर और कुम्हार एक–दूसरे से क्यों डर रहे थे ?

_____

_____

(ङ) कुम्हार ने शेर से अपनी जान कैसे बचाई ?

_____

_____

3. आपकी बात –

(क) शेर ने टपके को अपने से बलवान समझा ? आप किस–किस को अपने से बलवान समझते हो?

(ख) बंदर को टपका बहुत अच्छा लगता था? आपको क्या–क्या अच्छा लगता है?

4. पाठ से आगे–

(क) कुम्हार गधे से क्या–क्या काम लेता होगा ?

(ख) **'टपके का दाग धुलता भी तो नहीं।'** पता करें, ऐसी और कौन–कौन सी चीज़ें हैं जिनके दाग कपड़ों से नहीं छूटते ?

(ग) **'शेर जब बरगद के पेड़ के नीचे से गुज़रा, तो कुम्हार ने उचककर पेड़ की दाढ़ी पकड़ ली।'** अगर शेर बरगद के पेड़ के नीचे से न गुज़रता तो कुम्हार क्या करता ?

(घ) पाठ में आया है कि शेर और बंदर भागते–भागते दूर निकल गए। वे दोनों भागकर कहाँ गए होंगे ?

5. भाषा की बात–

(क) आधे का कमाल –

जंगल में टपका उतर आया है।

शेर और बंदर **उत्तर** की ओर भाग गए।

इन वाक्यों मे **'उतर'** का अर्थ है– **नीचे उतर आना** और **उत्तर** का अर्थ है– **एक दिशा**। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनका अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग करें –

पका ____________________
____

पक्का ____________________
____

मिट्टी ____________________
____

मिटी ____________________
____

कटा ____________________
____

कट्टा ____________________
____

गदा ____________________
____

गद्दा ____________________
____

फटा _____

_____

फट्टा _____

_____

(ख) 'ऐ' की मात्रा

दुकान पर बहुत सारे **फल** रखे थे।

फलों की खुशबू चारों ओर **फैल** रही थी।

इन वाक्यों को ध्यान से देखिए। **फल** पर **ऐ की मात्रा** लगने से नया शब्द **फैल** बन गया है। आप भी इन शब्दों में ऐ की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाएँ व लिखें –

बल	_____	गर	_____
सर	_____	मल	_____
पर	_____	खर	_____
तर	_____	मना	_____

(ग) **हंस** में लगी बिंदी अनुस्वार है। **हँस** में लगी बिंदी अनुनासिक है। दोनों की ध्वनियों में अंतर पहचानें।

अब नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर (ं) या (ँ) लगाएँ।

चाद

हस

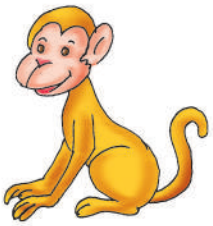

बदर

बास

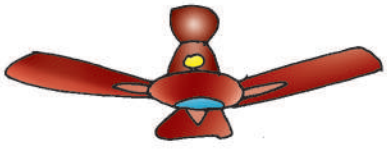

पखा

पाच

पूछ

कचा

(घ) **शेर ने गहरी साँस ली।**

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें से ऐसे शब्दों पर गोला लगाएँ जिनके साथ **गहरी** शब्द का प्रयोग हो सकता है–

पहाड़ी	नदी
खाई	बारिश
डाली	दोस्ती
नींद	हवा
दीवार	छाया

6. यह भी करें–

लुका–छिपी

कुम्हार बरगद की खोह में छिप गया। लुका–छिपी के खेल में आप कहाँ–कहाँ छिपते हो ?

_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

7. आओं खेलें खेल –

'धम्म' से आ गिरा नीचे ?

कक्षा में दो समूह बना दिए जाएँ। एक समूह निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करे और दूसरा समूह प्रत्येक ऐसे शब्द के बाद 'धम्म' बोले, जिसके गिरने पर 'धम्म' जैसी आवाज़ होती है। सही 'धम्म' के लिए एक अंक दिया जाए और गलत 'धम्म' के लिए एक अंक काटा जाए। इसी प्रकार अगली बार दूसरा समूह शब्द बोले और पहला समूह धम्म बोले। अंत में देखें कि कौन–सा समूह जीता?

पेड़

रूई

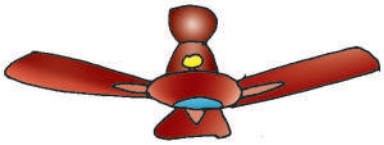

पंखा

बिल्ली

पत्ता

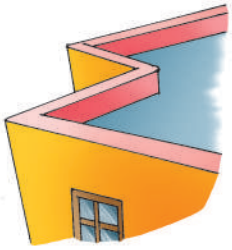

घर

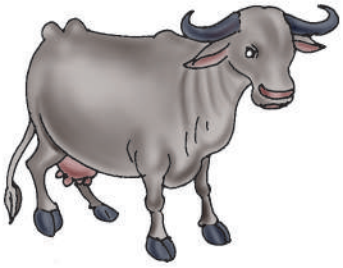

भैंस

बालक

घड़ा

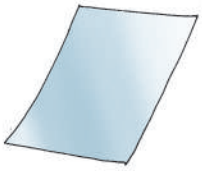

कागज

किताब

कमीज

मूर्ति का मूल्य (कुछ और पढ़ें)

राजा भोज का दरबार लगा हुआ था। दरबार में बड़े–बड़े बुद्धिमान, विद्वान और कवि उपस्थित थे। तभी पड़ोसी राज्य का एक दूत तीन मूर्तियाँ लिए दरबार में हाज़िर हुआ।

दूत ने मूर्तियों को राजा के सामने रखते हुए निवेदन किया, "महाराज, दूर देश से एक व्यापारी ये तीन मूर्तियाँ हमारे महाराज के लिए उपहार में लाया था। उसका कहना था कि इन मूर्तियों में एक मूर्ति सबसे अधिक मूल्यवान है। हमारे राज्य के सभी बुद्धिमान व्यक्ति इन मूर्तियों में कोई अंतर नहीं कर सके। अतः महाराज ने इन्हें आपके पास भेजा है। आपके दरबार में तो बड़े–बड़े विद्वान और बुद्धिमान लोग हैं। जो व्यक्ति इन मूर्तियों में से सबसे मूल्यवान मूर्ति को पहचान लेगा, उसे महाराज बड़ा इनाम देंगे।"

सोने से बनी तीनों मूर्तियाँ सचमुच एक जैसी थी। उनमें अंतर करके

उनका मूल्य आँकना वाकई कठिन काम था, लेकिन यह सभी के सम्मान का प्रश्न था। राजा भोज ने बड़ी आशा से दरबारियों की ओर देखा, किंतु सभी ने सिर झुका लिया।

तभी कवि कालिदास उठे और बोले, "महाराज, यदि आज्ञा हो तो मैं इन मूर्तियों की जाँच करूँ।"

महाराज ने प्रसन्नता से कहा, 'अवश्य।'

कालिदास ने मूर्तियों को उलट–पलट कर बड़े ध्यान से देखा। उन्होंने एक सेवक को एक पतला–सा तार लाने के लिए कहा। सेवक तुरंत एक लंबा पतला–सा तार ले आया।

कालिदास ने वह तार एक मूर्ति के कान में डाला तो वह उसके दूसरे कान से बाहर निकल आया। उन्होंने दूसरी मूर्ति के कान में तार डाला तो वह उसके मुँह से बाहर निकल आया। तीसरी मूर्ति के कान में तार डालने पर वह कहीं से भी बाहर नहीं निकला, भीतर ही रहा।

कालिदास के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। उन्हें मूर्तियों का रहस्य पता लग गया था। सारा दरबार आश्चर्य से कालिदास के मुख की ओर देख रहा था।

कालिदास ने तीसरी मूर्ति की ओर इशारा करके कहा, "महाराज, यह तीसरी मूर्ति इन तीनों मूर्तियों में सर्वश्रेष्ठ है। अतः सबसे अधिक मूल्यवान है।"

राजा भोज ने आश्चर्य से पूछा, "किंतु आप इतने अधिकार से यह बात कैसे कह सकते हैं ?" कालिदास बोले, "महाराज, मैंने अभी आपके सामने

पहली मूर्ति के कान में तार डाला तो वह उसके दूसरे कान से निकल आया। इसका अर्थ है जो व्यक्ति किसी अच्छी बात को एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देता है, वह एक कौड़ी का व्यक्ति है। अतः पहली मूर्ति का मूल्य केवल एक कौड़ी है।''

कालिदास ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, ''महाराज, दूसरी मूर्ति का मूल्य केवल एक मुहर है क्योंकि जो व्यक्ति कान से सुनी बात को मुँह से निकाल देता है, बता देता है, वह एक मुहर का व्यक्ति है। जो व्यक्ति किसी अच्छी बात को सुनता है और अपने भीतर हृदय में रखकर उस पर आचरण करने का प्रयत्न करता है, वह व्यक्ति एक लाख मुहर का है। इसलिए यह तीसरी मूर्ति ही सबसे मूल्यवान है।''

कालिदास की बात सुनकर सारा दरबार 'धन्य हो–धन्य हो' कह उठा। महाराज ने कालिदास को गले से लगा लिया। दूत ने कालिदास का बहुत–बहुत धन्यवाद किया और उनकी बुद्धि की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

पाठ 3

छोटी बातें, बड़े काम की

'यह करो !', 'यह मत करो!' मम्मी–पापा के मुँह से यह वाक्य आप कई बार सुनते होंगे। यह सुनकर आपको कभी–कभी बुरा भी लगता होगा किंतु दैनिक जीवन की छोटी–छोटी बातें कई बार बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं, जिनका पालन करना समाज व राष्ट्र हित के लिए अनिवार्य है। इसलिए ये छोटी–छोटी बातें बहुत काम की होती हैं।

तुम अपनी कक्षा में बैठे हो। अध्यापक महोदय के आने पर तुम उठकर खड़े हो जाते हो और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करते हो। इस प्रकार तुम शिष्टाचार का पालन करते हो।

तरुण बस में बैठकर यात्रा कर रहा है। एक वृद्ध उसी बस में चढ़ा। बस में बैठने का कोई स्थान खाली न देखकर वृद्ध एक ओर खड़ा हो गया। यह

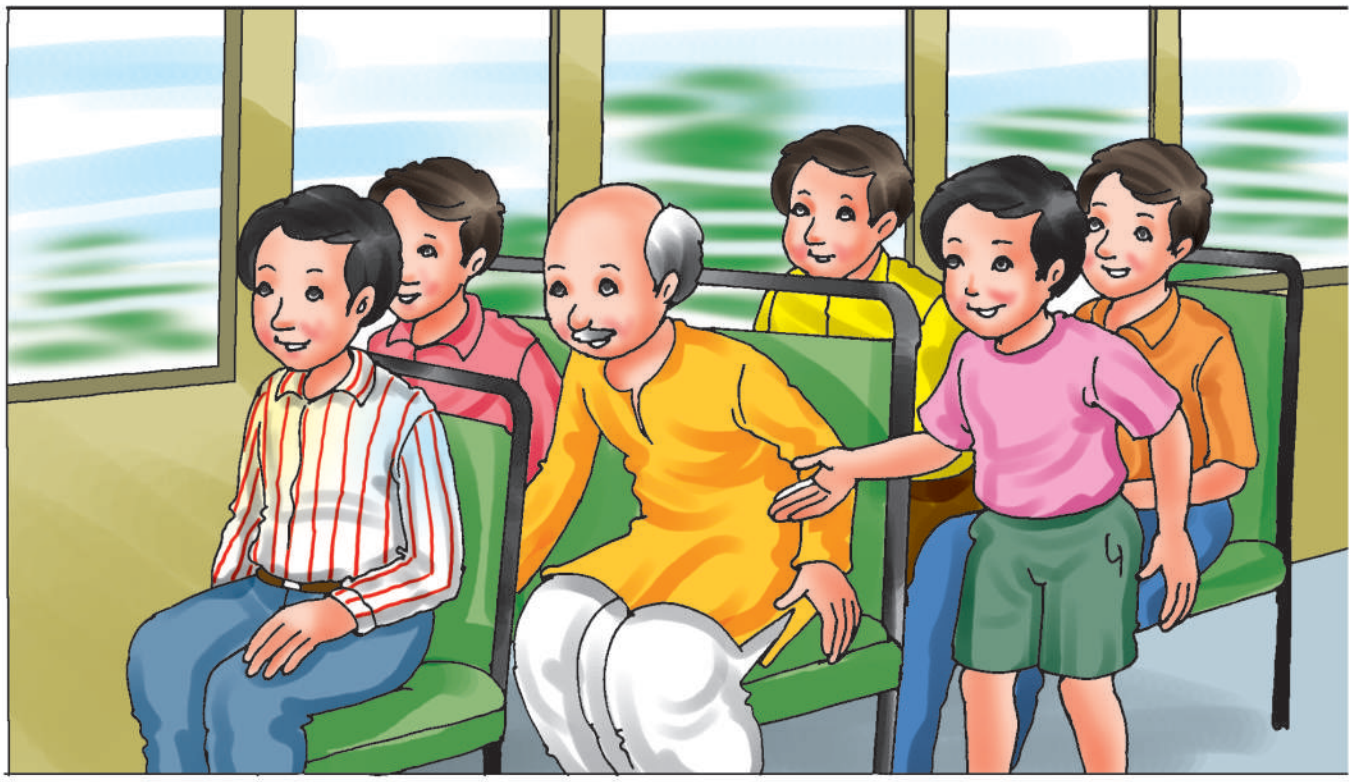

देखकर तरुण ने अपना स्थान उस वृद्ध के लिए छोड़ दिया। निश्चय ही तरुण ने अच्छे नागरिक का कर्त्तव्य निभाया।

इस प्रकार के व्यवहार अथवा आचरण को 'शिष्टाचार' कहा जाता है। राष्ट्र और समाज को आप से ऐसे ही अच्छे आचरण की अपेक्षा है।

बिजली का दुरुपयोग करना या बिजली की चोरी करना सही आचरण नहीं है। आपकी थोड़ी सी लापरवाही आपके बिजली के बिल को तो बढ़ाती ही है, साथ ही प्रदेश में बिजली का संकट भी पैदा करती है। क्या आपने कभी सोचा है कि यदि सौ घरों में एक–एक बल्ब भी व्यर्थ जलता रहे तो सौ बल्बों की बिजली लापरवाही के कारण बेकार चली जाएगी।

जब कमरे में कोई न बैठा हो तो पंखे और बत्तियाँ बंद कर दी जानी चाहिए।

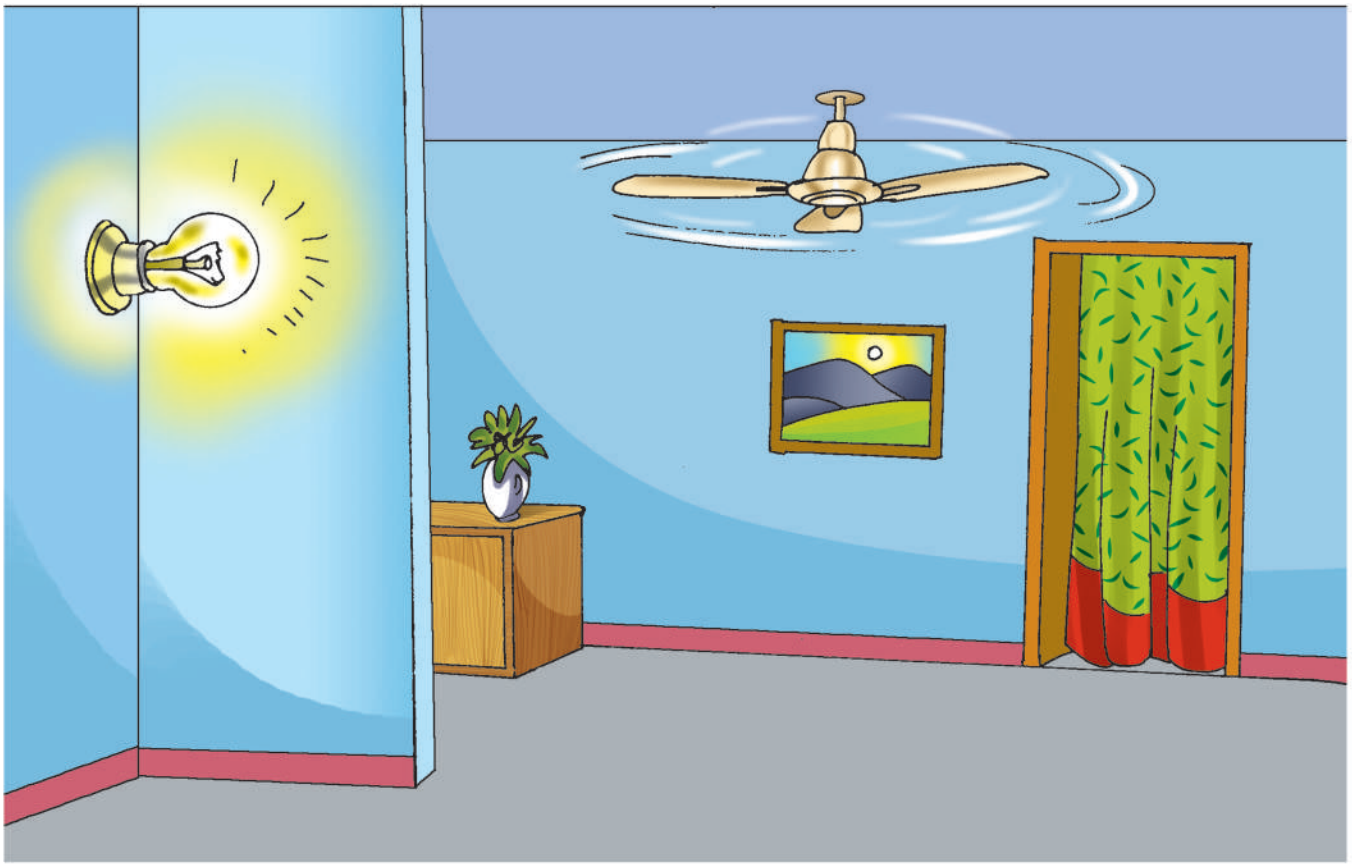

सुमन ने हाथ धोए और नल खुला छोड़ दिया। रमेश ने बरतन साफ करके रसोई का नल खुला छोड़ दिया। पानी बह रहा है, किसी को नल बंद करने की चिंता ही नहीं है। इसे अच्छा आचरण नहीं कहा जा सकता। सबको यह आदत डाल लेनी चाहिए कि जब पानी की जरूरत न हो, तब नल अच्छी तरह बंद कर दिया जाए।

वह देखो ! कुछ बच्चों ने आधी छुट्टी में खाना खाया और छिलके तथा कागज़ कूड़ेदान में न डालकर डैस्क के नीचे डाल दिए। ऐसा करना ठीक नहीं। कूड़ेदान का प्रयोग करने में अधिक समय नहीं लगता।

आवश्यकता न होने पर बत्तियाँ और नल बंद करना, कूड़े को सही स्थान पर डालना आदि ऐसी आदतें हैं, जिन पर ध्यान देने से आप अपने साथ–साथ समाज का भी भला करते हैं।

अच्छे संस्कार बचपन में ही पड़ जाते हैं और बड़े होने पर उनकी आदत बनी रहती है। इसलिए बचपन से ही अच्छी आदतों को अपनाना चाहिए।

समय का पालन करना, बस पर चढ़ते समय धक्का–मुक्की न करना, अपने से बड़ों का आदर करना, सभ्य भाषा का प्रयोग करना, स्वच्छता का ध्यान रखना आदि कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें अपना लेने से विद्यार्थी सभ्य नागरिक बन सकते हैं।

अभ्यास

1. आइए, शब्दों के अर्थ जानें –

- अपेक्षा – उम्मीद
- अभिवादन – प्रणाम / नमस्कार
- आचरण – व्यवहार
- दुरुपयोग – गलत इस्तेमाल
- निश्चय – पक्का इरादा
- व्यस्त – कार्य में लगा हुआ
- संकट – मुसीबत

2. पाठ से –

(क) अध्यापक के कक्षा में आने पर आप किस प्रकार अभिवादन करते हैं ?

_____

_____

(ख) तरुण ने अच्छे नागरिक का दायित्व कैसे निभाया ?

_____

_____

(ग) प्रदेश में बिजली संकट पैदा होने के क्या कारण है ?

_____

_____

(घ) पानी को व्यर्थ बहने से कैसे बचाया जा सकता है ?

_____

_____

(ङ) अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन सी आदतों को अपनाना चाहिए ?

_____

_____

(च) हाँ या नहीं में उत्तर दें –

	हाँ	नहीं
• हमें बड़ों का आदर करना चाहिए।	_____	_____
• मोबाइल पर मित्रों से गप्पें हाँकनी चाहिए।	_____	_____
• हाथ धोकर खाना खाना चाहिए।	_____	_____
• नल को खुला छोड़ देना चाहिए।	_____	_____
• रोजाना दाँत साफ करने चाहिए।	_____	_____
• कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।	_____	_____

3. आपकी बात –

(क) अपने स्कूल व आस–पड़ोस को स्वच्छ रखने के लिए आप क्या करते हैं ?

(ख) आप अपने घर में पानी व बिजली की बचत कैसे करते हैं ?

(ग) पाठ के अलावा और कौन–कौन सी अच्छी आदतें हैं जिनसे हम समाज का भला कर सकते हैं ?

(घ) कोई ऐसी घटना बताएँ जिसमें आपने किसी की मदद की हो। मदद करने के उपरांत आपको कैसा महसूस हुआ ?

(ङ) मोबाइल के सदुपयोग व दुरुपयोग पर चर्चा करें।

(च) आपके घर में किस बल्ब का प्रयोग किया जाता है ? यह भी पता करें, किस बल्ब के प्रयोग से बिजली की बचत की जा सकती है ?

4. भाषा की बात–

(क) शिष्ट

अशिष्ट भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'शिष्ट' और 'अशिष्ट' एक दूसरे का उलटा अर्थ देते हैं। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखें–

स्वच्छ – ____________________

दुरुपयोग – ____________________

सुख – ____________________

सभ्य – ____________________

आदर – ____________________

(ख) शिष्टाचार का पालन करने वाले को 'शिष्टाचारी' कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक–एक शब्द लिखें–

- ईमानदारी से काम करने वाला ____________________
- दूसरों पर उपकार करने वाला ____________________
- सदा सच बोलने वाला ____________________
- कम बोलने वाला ____________________
- बहुत अधिक बोलने वाला ____________________
- साथ पढ़ने वाला ____________________
- साथ काम करने वाला ____________________

(ग) पाठ में 'नागरिक' शब्द का प्रयोग हुआ है। जो 'नगर' के साथ 'इक' लगने से बना है। आप भी 'इक' लगाकर नए शब्द बनाएँ –

नगर + इक – नागरिक

वर्ष + इक – ________________

समाज + इक – ________________

दिन + इक – ________________

व्यवहार + इक – _____

इतिहास + इक – _____

विज्ञान + इक – _____

5. पढ़ें, समझें और लिखें –

(क) मेरा प्रयोग होता है–

- संदेश भेजने के लिए _____
- समय व तिथि देखने के लिए _____
- गणना करने के लिए _____

(ख) छोटे गोले के अंदर एक शब्द दिया गया है– विद्यालय। अन्य बॉक्स में उससे संबंधित चीजों के नाम लिखें–

उदाहरण–